स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एस.जी.एस.वाय.)

जनपद पंचायत :– महू

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना से बने आत्मनिर्भर

महू जनपद पंचायत के ग्राम कोदरिया में गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले परिवार गांव में ही रहकर मजदूरी अथवा कृषि मजदूरी कर अपना भरण पोषण करते थे। ग्राम के सहायक विकास विस्तार अधिकारी श्री इन्दर परदेसी एंव समूह साथी श्रीमती पूजा शर्मा ने गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले परिवारों से सम्पर्क कर शासन की स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के बारे में विस्तार से समझाया कि किस प्रकार समूह के रूप में कार्य करने से स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत लाभ लेकर अपना जीवन स्तर उपर उठाया जा सकता है एंव समूह के माध्यम से कार्य करने पर हाने वाले लाभ के बारे में बताया।

दोनों मैदानी कर्मचारियों ने ग्राम के ही गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले परिवार के सदस्यों को प्रेरित कर स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत समूह का गठन किया एंव हर माह छोटी–छोटी बचत किये जाने हेतु प्रेरित किया। बचत किये जाने हेतु समूह को बैंक से जोडा। इस हेतु ग्राम कोदरिया स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधक महोदय ने उल्लेखनीय सहयोग प्रदान करते हुये सभी समूहों के खाते खोलकर उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सहा वि वि अधिकारी की सतत मानीटरींग से समूह की महिला सदस्यों में नई चेतना का संचार हुआ एंव समूह व्दारा की गयी बचत के माध्यम से अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिये ऋण लेकर अपनी समस्या का समाधान किया एंव साहुकारों से उधार लेने पर लगने वाले मोटे ब्याज से मुक्ति पायी।

समूह गठन के 6 माह पश्चात ग्रेडिंग कर उन्हें चक्रिय निधि एंव अनुदान के रूप में जिला पंचायत इन्दौर के माध्यम से रू 25000 उपलब्ध करवाये गये। समूह की महिला सदस्यों व्दारा इस अनुदान एंव ऋण राशि महिलाओं व्दारा पूर्व से ही किये जा रहे आलू चिप्स के व्यवसाय में उचित उपयोग किया एंव इसी व्यवसाय को और आगे बढाने हेतु अधिक रूपयों की आवश्यकता के लिये अपने क्षेत्रीय सहा वि वि अधि. को बताया।

समूह व्दारा किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता एंव चक्रिय निधि के उचित उपयोग को देखते हुये सहा वि वि अधि व्दारा समूह की व्दितीय ग्रेडिंग की गयी जिससे समूह को अपने व्यवसाय को बढाने हेतु ऋण प्राप्ती का मार्ग प्रशस्त हुआ। तत्पश्चात समूह का स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत ऋण प्रकरण बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा कोदरिया के प्रबंधक की सहमति से तैयार कर जिला पंचायत इन्दौर को आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित कर अनुदान की मांग की गयी।

जिला पंचायत इन्दौर से अनुदान की प्राप्ती के बाद ग्राम कोदरिया के उमंग, तरंग, स्वास्तिक, सृष्टि, समूहों को बैंक के माध्यम से ऋण एंव अनुदान का वितरण किया गया जिससे आलू चिप्स का व्यवसाय बड़े स्तर पर करने हेतु मदद मिलने लगी। आलू चिप्स का व्यापार कर समूह ने बड़े स्तर पर ख्याति अर्जित करने में सफलता पायी एंव समूह के सदस्यों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार हुआ है। इसके साथ ही महिलाओं की इच्छा शक्ति दिखाते हुये आलू चिप्स का सीजन खत्म हो जाने पर शेष समय में अगरबत्ती निर्माण कर वर्ष भर आय अर्जित करने में सफलता पायी है।

इस प्रकार स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत ग्राम की गरीब महिलाओं ने सहा वि वि अधिकारी एंव समूह साथी व्दारा किये गये सहयोग से आत्मनिर्भर होने में सफलता पायी है।

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना से बदला जीवन स्तर

महू जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मांगलिया के ग्राम नाहरखेड़ा में गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वाले सर्वश्री अजमल नारायण, मुन्नालाल पर्वत एंव चंगीराम श्रवण अपनी भूमि का पानी के अभाव में सिंचित नहीं कर पाते थे जिससे इनका जीवन अभावग्रस्त होकर गरीबी में अपना जीवन बसर करने का मजबूर थे।

क्षेत्रीय सहा वि वि अधिकारी व्दारा उक्त तीनों छोटे किसानों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार ग्यारण्टी योजना के सम्बंध में विस्तार से बताया एंव वर्ष में उन्हें 100 दिन की मजदूरी भी मिलेगी एंव उनके सूखे खेत में उक्त योजना की उपयोजना कपिलधारा के माध्यम से कूप का निर्माण भी किया जावेगा। ग्राम पंचायत मांगलिया व्दारा कपिलधारा योजना में उनके प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान कर उक्त तीनों किसानों की प्रगति में पहला कदम उठाया।

सर्वश्री अजमल नारायण, मुन्नालाल पर्वत एंव चंगीराम श्रवण व्दारा शासन की योजना भरपूर लाभ लेते हुये अपनी अपनी भूमि पर कपिलधारा योजनान्तर्गत कूप निर्माण किया एंव कूप में पानी आने पर इन किसानों की खुशियों की कोई सीमा नहीं रही । पानी सामने देखकर खुश तो हुये किन्तु साधन के अभाव में मायूस किसानों के जीवन में शासन की स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना ने नये सपने बुने।

क्षेत्रीय सहा वि वि अधिकारी श्री इन्दर परदेसी व्दारा उक्त तीनों छोटे किसानों के स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत लघु सिंचाई के प्रकरण बनाये जिसमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा कोदरिया ने विशेष रूचि दर्शाते हुये योजनान्तर्गत ऋण देने पर अपनी सहमति व्यक्त की। जिला पंचायत इन्दौर को प्रकरण बनाकर भेजने पर वहां से प्राप्त अनुदान उक्त तीनों किसानों के खाते में जमा कर बैंक व्दारा सिंचाई किये जाने हेतु विद्युत मोटर एंव पाईप लाईन हेतु जिला पंचायत से प्राप्त अनुदान के साथ ही ऋण उपलब्ध करवाया गया।

जिला पंचायत से अनुदान एंव बैंक से प्राप्त लघु सिंचाई हेतु ऋण के उपयोग से इन किसानों ने लाभ लेकर वर्ष भर अपनी कृषि भूमि को सींचकर प्राप्त फसलों की आय से अपना एंव अपने परिवार का जीवन धन धान्य से भरपूर करने में सफलता अर्जित की है ।

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना बनी वरदान

महू जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चोरल में अल्पसंख्यक वर्ग के श्री कल्लू पिता मोहम्मद अली गरीबी रेखा से नीचे यापन करने वालों की सूची में शामिल है। श्री कल्लू ग्राम चोरल में ही रहकर अपने उदर पोषण हेतु छोटी सी साईकिल मरम्मत की दुकान पर निर्भर था किन्तु सभी साजोसामान न होने से वह इस दुकान से उतनी आय नहीं जुटा पाता था कि जिससे वह एक खुशहाल जीवन जी सके।

क्षेत्रीय सहायक विकास विस्तार अधिकारी श्री माधव गुप्ता ने श्री कल्लू को शासन की स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के बारे में बताया एंव स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया शाखा चोरल के माध्यम से साईकिल मरम्मत व्यवसाय हेतु रू 50000/— रू ऋण प्रकरण बनाकर जिला पंचायत इन्दौर को भेजा गया जहां से श्री कल्लू के ऋण पकरण में 7500/— रू का अनुदान स्वीकृत किया गया।

बैंक से ऋण प्राप्त होने पर श्री कल्लू ने प्राप्त राशि से दुकान में मरम्मत के सभी साजोसामान क्रय किया एंव किराये से चलाने हेतु नई साईकिले भी खरीदी। ग्राम में अन्य कोई दुकान न होने से श्री कल्लू को इसका सीधा लाभ मिलने लगा। अब श्री कल्लू को नियमित आय होने के साथ साथ साईकिल में लगने वाले सामानों की बिक्री से मुनाफा भी होंने लगा। अब कल्लू साईकिलों के अतिरिक्त स्कूटर एंव मोटरसाईकिल का काम भी करने लगा।

स्वर्ण जयंति ग्राम स्वरोजगार योजना के माध्यम से कल्लू पहले की अपेक्षा अब अधिक आय अर्जित करने लगा है । पूर्व की अपेक्षा श्री कल्लू का जीवन स्तर में भी सुधार आया है एंव अब वह और उसका परिवार अधिक खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है।